जेंडर, विद्यालय एवं समाज

इकाई 2: जेंडर और विद्यालय

TOPIC :- लैंगिकता के परिपेक्ष्य में विद्यालय के भीतर विद्यार्थी विद्यार्थी, शिक्षक विद्यार्थी , शिक्षक समूह के मध्य संबंध की समझ

Dr. Sohan Kumar Mishra
Asst. Prof. (Contract)
SOS – Education
SMKV, Bastar,Jagdalpur

रूपरेखा :-

1. प्रस्तावना
2. विद्यालय में लैंगिकता का परिपेक्ष
3. लैंगिकता के परिपेक्ष में विद्यार्थी विद्यार्थी में संबंध
4. लैंगिकता के परिपेक्ष में शिक्षक विद्यार्थी में संबंध
5. लैंगिकता के परिपेक्ष में शिक्षक समुह के संबंध
6. निष्कर्ष

प्रस्तावना:-

- लैंगिकता के परिपेक्ष में विद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण होती है ।
- Shool are the place for school learning and mini society.
- School and society are interconnected and interdependent.
- School and society – Both works for the betterment of the country.

विद्यालय में लैंगिकता का परिपेक्ष:-

लैंगिकता के परिपेक्ष्य में विद्यार्थी - विद्यार्थी संबंध

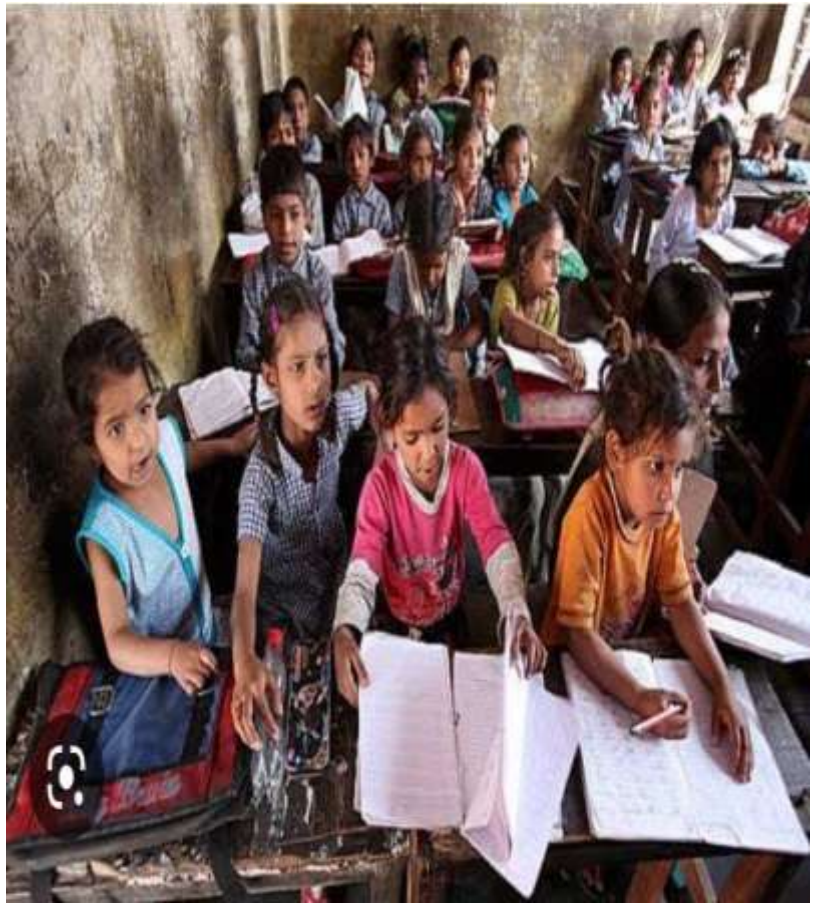

लैंगिकता के परिपेक्ष में शिक्षक विद्यार्थी संबंध

लैंगिकता के परिपेक्ष्य में शिक्षक समुह के मध्य संबंध

निष्कर्ष :-

- लैंगिकता के परिपेक्ष में विद्यालय के भीतर विद्यार्थी विद्यार्थी शिक्षक विद्यार्थी तथा शिक्षक समूह के संबंध महत्वपूर्ण होते हैं विद्यालय के भीतर सभी को सम्मिलित रूप से प्रयास करना आवश्यक है शिक्षक समूह के आपसी संबंध कक्षा तथा विद्यालय में स्थापित लैंगिकता को समाप्त अथवा कम करने में सहायक होते हैं अतः शिक्षक तथा विद्यार्थी दोनों को लैंगिक भाव से मुक्त होना चाहिए ।

THANK-YOU